

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर
समक्ष
एम०के०सिंह
सदस्य

निगरानी प्रकरण क्रमांक 2175/एक/2014 - विरुद्ध आदेश
दिनांक 18.7.14 - पारित द्वारा अनुविभागीय अधिकारी मेहगाँव
जिला भिण्ड - प्रकरण क्रमांक 29/2013-14 अपील

1- महावीर 2- राजवीर

3- सुन्दरसिंह पुत्रगण रामसिंह यादव
निवासी ग्राम गोरमी तहसील मेहगाँव
जिला भिण्ड मध्य प्रदेश

---आवेदकगण

विरुद्ध

कुमारी पूनम पुत्री कमलकिशोर
ग्राम गोरमी तहसील मेहगाँव
जिला भिण्ड मध्य प्रदेश

----अनावेदक

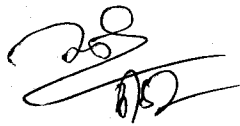
(आवेदकगण के अभिभाषक श्री रामसेवक शर्मा)
(अनावेदक के अभिभाषक श्री बी.एस.धाकड़)

आ दे श

(आज दिनांक 14 - * - 2015 को पारित)

यह निगरानी अनुविभागीय अधिकारी मेहगाँव जिला
भिण्ड द्वारा प्रकरण क्रमांक 29/2013-14 अपील में पारित
आदेश दिनांक 18.07.2014 के विरुद्ध म.प्र. भू राज.
संहिता, 1959 की धारा 50 के तहत प्रस्तुत की गई है।

2/ प्रकरण का सारौंश यह है कि आवेदकगण ने नायब
तहसीलदार गोरमी के समक्ष आवेदन देकर मांग की कि रामसिंह
पुत्र काशीराम के नाम ग्राम गोरमी में खाता क्रमांक
1320/2069 कुल किता 33 कुल रकबा 12.693 है,
खाता क्रमांक 1198 कुल किता 1 रकबा 0.188 है, खाता
क्रमांक 1204 किता 1 रकबा 0.470 है. के भूमिस्वामी थे
जिनकी मृत्यु हो चुकी अतः खातेदार के पुत्र होने से नामांतरण

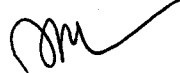


किया जावे। नायब तहसीलदार ने प्र.क. 38/12-13अ 6 पंजीबद्ध किया एवं आदेश दि. 28.2.2014 से तीनों आवेदकों का नामान्तरण स्वीकार किया। इस आदेश के विरुद्ध अनावेदक ने अनुविभागीय अधिकारी, मेहगांव के समक्ष दि. 5-6-14 को अपील क. 29/13-14 प्रस्तुत कर बताया कि मृतक खातेदार रामसिंह के चार पुत्र हैं जिनके एक पुत्र कमलकिशोर आवेदिका के पिता है जो दिमाकीय हालात से ठीक नहीं है उन्हें नामान्तरण में छोड़ दिया गया, इसलिये वह हितबद्ध होने से अपील करने की अनुमति दी जाकर एकपक्षीय आदेश होने से विलम्ब क्षमा किया जाय। अनुविभागीय अधिकारी मेहगांव ने अंतरिम आदेश दि. 18-7-14 पारित किया तथा अनावेदक को हितबद्ध पक्षकार होना मानकर अपील प्रस्तुत करने में हुये विलम्ब को क्षमा कर दिया। इसी आदेश से परिवेदित होकर यह निगरानी की गई है।

3/ निगरानी मेमो में उठाये गये बिन्दुओं पर उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्क सुने तथा उपलब्ध अभिलेख का अवलोकन किया गया। आवेदकगण की ओर से प्रस्तुत लेखी बहस पर विचार किया गया।

4/ उभय पक्ष के अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर विचार करने पर एवं अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख के अवलोकन पर प्रकरण में देखना है कि क्या अनुविभागीय अधिकारी मेहगांव ने अनावेदक को हितबद्ध पक्षकार मानने में एवं अपील प्रस्तुत करने में हुये विलम्ब को क्षमा करने में किसी प्रकार की त्रुटि की है ?

1-प्रकरण में आये तथ्यों से यह निर्विवाद है कि मृतक भूमिस्वामी रामसिंह के तीन पुत्रों के आवेदन पर नामान्तरण कार्यवाही हुई है जबकि चौथे पुत्र कमलकिशोर को नामांतरण कार्यवाही में छोड़ दिया गया है। कमलकिशोर मंदबुद्धि होना बताते हुये उसकी ओर से उसकी पुत्री अनावेदक ने



अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष अपील की है। स्पष्ट है कि अनावेदक प्रकरण में हितबद्ध पक्षकार होने से उसे अपील प्रस्तुत करने की अनुमति देने में अनुविभागीय अधिकारी ने किसी प्रकार की त्रुटि नहीं की है।

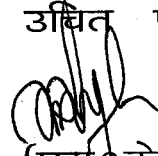
2- अनावेदक ने नायब तहसीलदार द्वारा प्र.क्र. 38/12-13अ 6 में पारित आदेश दिनांक 28.2.2014 के विरुद्ध अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष दिनांक 5-6-14 को अपील प्रस्तुत की है तथा अवधि विधान की धारा-5 का आवेदन देकर विलम्ब क्षमा किये जाने की प्रार्थना की है।

भू राजस्व संहिता 1959 (म0प्र0)-धारा-47 - गरीब, निरक्षर एवं पर्दानसीन महिला - सदभावना की पात्र - उदार-रुख अपनाया जाकर विलम्ब क्षमा करने पर विचार करना चाहिये।

भू राजस्व संहिता 1959 (म0प्र0)-धारा-47 एवं परिसीमा अधिनियम, 1963- धारा 5 - पर्याप्त कारण होने से न्यायालय वैवेकिक अधिकारिता का प्रयोग कर विलम्ब क्षमा कर सकता है। उद्घोषणा तथा समन विधि के अनुसरण में नहीं होने पर विलम्ब माफ किया जायेगा।

अधीनस्थ न्यायालय के प्रकरण में तथ्य आया है कि कमलकिशोर मंदबुद्धि एवं पागलपन की श्रेणी में है उसके स्थान पर तहसील न्यायालय में अन्य व्यक्ति खड़ा कर नामान्तरण कार्यवाही कराये जाने का उल्लेख है। ऐसी स्थिति में अनुविभागीय अधिकारी ने अनावेदक को हितबद्ध पक्षकार मानने एवं अपील में हुये विलम्ब को क्षमा करने में किसी प्रकार की त्रुटि नहीं की है।

5/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी सारहीन पाये जाने से निरस्त की जाती है। परिणामतः अनुविभागीय अधिकारी मेहगॉव जिला भिण्ड द्वारा प्रकरण क्रमांक 29/2013-14 अपील में पारित आदेश दिनांक 18.07.2014 उचित पाये जाने से यथावत् रखा जाता है।


(एम0के0सिंह)
सदस्य

राजस्व मण्डल, म0प्र0 ग्वालियर